

शिक्षकों के व्यक्तित्व का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर प्रभाव का अध्ययन

¹.श्रीमती ममता वैश्य, ^२. प्रोफेसर डॉ लुभावनी त्रिपाठी

शोधार्थी शिक्षा संकाय कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

शोध निर्देशक, शिक्षा विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

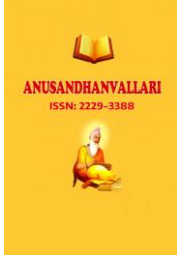
सारांश

प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्यापनरत शिक्षकों के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध का अध्ययन करना तथा यह ज्ञात करना था कि व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता के पूर्वानुमान में किस सीमा तक योगदान करते हैं। अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सहसंबंधात्मक शोध-विधि अपनाई गई। मूल शोध में उपलब्ध 400 शिक्षक-रिकॉर्डों में से इस शोध-पत्र हेतु 100 शिक्षकों का संतुलित उप-न्यादर्श लिया गया, जिसमें 25 शासकीय पुरुष, 25 शासकीय महिला, 25 अशासकीय पुरुष तथा 25 अशासकीय महिला शिक्षक सम्मिलित थे। व्यक्तित्व के मापन के लिए डॉ. महेश भार्गव की आयामी व्यक्तित्व सूची तथा शिक्षण प्रभावशीलता के मापन के लिए प्रमोद कुमार एवं डी. एन. मुथा की शिक्षक प्रभावशीलता मापनी का उपयोग किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए माध्य, मानक विचलन, पियर्सन सहसंबंध गुणांक तथा बहु रैखिक प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया। परिणामों में सक्रियता-निष्क्रियता, उत्साहशीलता-अनुत्साहशीलता एवं आत्मदृढ़ता-अधीनता का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक सकारात्मक संबंध प्राप्त हुआ, जबकि संदेहशीलता-विश्वासशीलता, अवसादात्मकता-अनवसादात्मकता तथा संवेगात्मक अस्थिरता-संवेगात्मक स्थिरता का सार्थक ऋणात्मक संबंध पाया गया। व्यक्तित्व के छह आयामों ने संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता में पाई गई लगभग 44.5 प्रतिशत भिन्नता की व्याख्या की। निष्कर्ष यह संकेत करते हैं कि शिक्षक की शिक्षण प्रभावशीलता को समझने में व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पूर्वानुमानात्मक योगदान है, यद्यपि इन परिणामों को प्रत्यक्ष कारण-परिणाम संबंध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

प्रमुख शब्द: व्यक्तित्व, शिक्षण प्रभावशीलता, माध्यमिक विद्यालय शिक्षक, व्यक्तित्व आयाम, सहसंबंध, पूर्वानुमान

1. परिचय

शिक्षक विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता का एक प्रमुख मानवीय आधार है। पाठ्यक्रम, संसाधन, तकनीक तथा प्रशासनिक व्यवस्थाएँ तभी अपेक्षित परिणाम दे सकती हैं जब शिक्षक अपने शैक्षणिक, व्यावसायिक, सामाजिक, संवेगात्मक और नैतिक दायित्वों का प्रभावी निर्वहन कर सकें। शिक्षण प्रभावशीलता केवल विषय-वस्तु की जानकारी या कक्षा में पाठ प्रस्तुत करने की क्षमता तक सीमित नहीं है; इसमें विद्यार्थियों से संवाद, कक्षा-प्रबंधन, उचित निर्णय, भावनात्मक संतुलन, व्यावसायिक उत्तरदायित्व, नैतिक व्यवहार और सहयोगात्मक संबंध भी सम्मिलित होते हैं।



व्यक्तित्व व्यक्ति के अपेक्षाकृत स्थायी व्यवहारिक, भावनात्मक और अंतर्वैयक्तिक प्रतिरूपों को व्यक्त करता है। शिक्षण व्यवसाय में व्यक्तित्व का महत्व इसलिए अधिक हो जाता है क्योंकि शिक्षक प्रतिदिन विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों, सहकर्मियों, विद्यालय प्रमुखों तथा अभिभावकों से संवाद करता है। शिक्षक की सक्रियता, उत्साह, आत्मदृढ़ता, विश्वास, भावनात्मक स्थिरता तथा मनोदशात्मक संतुलन उसके व्यावसायिक व्यवहार से संबंधित हो सकते हैं। इसी प्रकार संदेहशीलता, अवसादात्मक प्रवृत्ति अथवा संवेगात्मक अस्थिरता की अधिकता कक्षा-व्यवहार, निर्णय, धैर्य और अंतःक्रिया की प्रकृति से जुड़ सकती है।

पूर्ववर्ती शोधों में शिक्षक व्यक्तित्व और शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध की पुष्टि विभिन्न रूपों में हुई है। क्लासेन एवं त्जे (2014) के मेटा-विश्लेषण ने शिक्षकों की मनोवैज्ञानिक विशेषताओं, विशेषकर आत्म-प्रभावकारिता और व्यक्तित्व, को शिक्षण प्रदर्शन से संबंधित पाया। गोंज (2017) ने शिक्षक व्यक्तित्व पर मनोवैज्ञानिक शोधों की समीक्षा करते हुए इसे शैक्षिक प्रक्रिया और व्यावसायिक व्यवहार को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना। किम, यॉर्ग एवं क्लासेन (2019) के मेटा-विश्लेषण ने भी शिक्षक व्यक्तित्व के विभिन्न गुणों का शिक्षक प्रभावशीलता से संबंध रेखांकित किया। केल (2019) ने उपलब्ध अनुभवजन्य अध्ययनों की समीक्षा में यह स्पष्ट किया कि संबंधों की प्रबलता संदर्भ, मापन-विधि और व्यक्तित्व संरचना के अनुसार बदल सकती है। यादव (2026)

प्रस्तुत अध्ययन में व्यक्तित्व को एक समग्र एकल गुण के रूप में न लेकर छह विशिष्ट आयामों के माध्यम से देखा गया है। इससे यह समझने का अवसर मिलता है कि व्यक्तित्व की कौन-सी प्रवृत्तियाँ शिक्षण प्रभावशीलता के साथ सकारात्मक अथवा ऋणात्मक दिशा में जुड़ी हुई हैं तथा सभी आयाम संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता के पूर्वानुमान में कितना योगदान करते हैं। शोध-शीर्षक में प्रयुक्त 'प्रभाव' शब्द को प्रत्यक्ष कारणात्मक अर्थ में नहीं, बल्कि सांख्यिकीय संबंध और पूर्वानुमानात्मक योगदान के अर्थ में ग्रहण किया गया है। तस्लीम (2017)

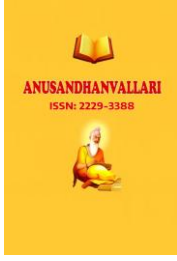
2. संबंधित साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा

क्लासेन एवं त्जे (2014) ने शिक्षकों की आत्म-प्रभावकारिता, व्यक्तित्व और शिक्षण प्रभावशीलता पर उपलब्ध शोधों का मेटा-विश्लेषण किया। अध्ययन ने संकेत दिया कि शिक्षक की मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ शिक्षण प्रदर्शन से संबंधित हैं, यद्यपि व्यक्तित्व और बाह्य रूप से आंकी गई शिक्षण प्रभावशीलता के बीच संबंध की मात्रा विभिन्न अध्ययनों में समान नहीं थी।

गोंज (2017) ने शिक्षक व्यक्तित्व से संबंधित मनोवैज्ञानिक शोधों की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा में शिक्षक के वांछनीय और अवांछनीय गुण, व्यावसायिक व्यवहार, व्यावसायिक पहचान तथा व्यक्तित्व सिद्धांतों के संदर्भ में शिक्षक व्यक्तित्व का विश्लेषण किया गया। अध्ययन ने शिक्षा-मनोविज्ञान में शिक्षक व्यक्तित्व को अधिक व्यवस्थित रूप से समाहित करने की आवश्यकता बताई।

किम, यॉर्ग एवं क्लासेन (2019) ने शिक्षक व्यक्तित्व के शिक्षक प्रभावशीलता और व्यावसायिक थकान से संबंध का मेटा-विश्लेषण किया। परिणामों ने यह स्थापित किया कि व्यक्तित्व के प्रमुख गुण शिक्षक के व्यावसायिक परिणामों से सार्थक रूप से जुड़े हो सकते हैं। यह निष्कर्ष शिक्षक प्रभावशीलता के मनोवैज्ञानिक आधार को समझने में व्यक्तित्व की उपयोगिता को समर्थन देता है।

केल (2019) ने 1990 से 2018 तक प्रकाशित अनुभवजन्य अध्ययनों की समीक्षा करते हुए शिक्षक व्यक्तित्व और प्रदर्शन के संबंध का विश्लेषण किया। समीक्षा में प्रभाव-आकार सामान्यतः छोटे पाए गए और विभिन्न अध्ययनों में परिणामों की दिशा तथा प्रबलता में अंतर देखा गया। इससे यह आवश्यकता सामने आती है कि शिक्षक व्यक्तित्व का अध्ययन विशिष्ट सांस्कृतिक, संस्थागत और विद्यालयी संदर्भों में किया जाए।



2.1 शोध-अंतराल

उपलब्ध साहित्य शिक्षक व्यक्तित्व और शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध को स्वीकार करता है, परंतु अनेक अध्ययनों में व्यक्तित्व का अध्ययन प्रायः व्यापक पंच-कारक संरचना अथवा सामान्य व्यक्तित्व गुणों के आधार पर किया गया है। भारतीय माध्यमिक विद्यालय संदर्भ में सक्रियता, उत्साहशीलता, आत्मदृढ़ता, संदेहशीलता, अवसादात्मकता और संवेगात्मक अस्थिरता जैसे विशिष्ट आयामों को एक साथ लेकर बहुआयामी शिक्षण प्रभावशीलता के साथ उनके संबंध और संयुक्त पूर्वानुमानात्मक योगदान पर सीमित अनुभवजन्य कार्य उपलब्ध है। इसी अंतराल को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के व्यक्तित्व के छह आयामों और शिक्षण प्रभावशीलता के संबंध की जाँच करता है। वर्मा और सिंह (2026)

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों एवं उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता के पूर्वानुमान में व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों के संयुक्त योगदान का अध्ययन करना।

4. शून्य परिकल्पनाएँ

1. माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों एवं उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाएगा।
2. माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के पूर्वानुमान में कोई सार्थक संयुक्त योगदान नहीं पाया जाएगा।

5. शोध-विधि

5.1 शोध-विधि का स्वरूप

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सहसंबंधात्मक शोध-विधि अपनाई गई। अध्ययन में किसी चर में कृत्रिम परिवर्तन या प्रयोगात्मक नियंत्रण नहीं किया गया। व्यक्तित्व आयामों और शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध तथा व्यक्तित्व आयामों के संयुक्त पूर्वानुमानात्मक योगदान का सांख्यिकीय परीक्षण किया गया।

5.2 जनसंख्या

अध्ययन की जनसंख्या में रायपुर नगर, छत्तीसगढ़ के चयनित मान्यता प्राप्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्यापनरत शिक्षक सम्मिलित थे।

5.3 न्यादर्श

मूल शोध में उपलब्ध 400 शिक्षक-रिकॉर्डों में से इस शोध-पत्र के विश्लेषण हेतु 100 शिक्षकों का संतुलित उप-न्यादर्श लिया गया। विद्यालय के प्रकार और लिंग का समान प्रतिनिधित्व बनाए रखने के लिए 25 शासकीय पुरुष, 25 शासकीय महिला, 25 अशासकीय पुरुष तथा 25 अशासकीय महिला शिक्षक सम्मिलित किए गए। इस प्रकार कुल न्यादर्श में 50 पुरुष, 50 महिला, 50 शासकीय तथा 50 अशासकीय विद्यालय शिक्षक रहे।

तालिका 1

न्यादर्श का वितरण

विद्यालय का प्रकार	पुरुष	महिला	कुल
शासकीय	25	25	50
अशासकीय	25	25	50
कुल	50	50	100

5.4 अध्ययन के चर

पूर्वानुमानक चर के रूप में व्यक्तित्व के छह आयाम—सक्रियता–निष्क्रियता, उत्साहशीलता–अनुत्साहशीलता, आत्मदृढ़ता–अधीनता, संदेहशीलता–विश्वासशीलता, अवसादात्मकता–अनवसादात्मकता तथा संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता—को ग्रहण किया गया। आश्रित चर शिक्षण प्रभावशीलता रही।

5.5 शोध-उपकरण

व्यक्तित्व के मापन के लिए डॉ. महेश भार्गव द्वारा विकसित आयामी व्यक्तित्व सूची का प्रयोग किया गया। इसमें कुल 60 कथन हैं और प्रत्येक व्यक्तित्व आयाम से 10 कथन संबंधित हैं। प्रत्येक आयाम का प्राप्तांक 0 से 20 के बीच हो सकता है। पहले तीन आयामों पर उच्च प्राप्तांक क्रमशः सक्रियता, उत्साहशीलता और आत्मदृढ़ता की अधिकता को व्यक्त करते हैं, जबकि अंतिम तीन आयामों पर उच्च प्राप्तांक क्रमशः संदेहशीलता, अवसादात्मकता और संवेगात्मक अस्थिरता की अधिकता को व्यक्त करते हैं।

शिक्षण प्रभावशीलता के मापन के लिए प्रमोद कुमार एवं डी. एन. मुथा की शिक्षक प्रभावशीलता मापनी के संशोधित शिक्षक-रूप का प्रयोग किया गया। मापनी में 69 कथन हैं और शिक्षण प्रभावशीलता को शैक्षणिक, व्यावसायिक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक तथा व्यक्तित्व संबंधी क्षेत्रों के आधार पर मापा जाता है। उच्च समग्र प्राप्तांक अधिक शिक्षण प्रभावशीलता को व्यक्त करता है।

5.6 आँकड़ा-संकलन एवं उप-न्यादर्श चयन

मूल अध्ययन के अंतर्गत निर्धारित निर्देशों के अनुसार दोनों मानकीकृत मापन उपकरणों से शिक्षक-प्रतिक्रियाएँ संकलित की गई थीं। प्राप्त उत्तर-पत्रकों का फलांकन कर व्यक्तित्व के छह आयामों तथा समग्र शिक्षण प्रभावशीलता के प्राप्तांक तैयार किए गए। वर्तमान शोध-पत्र के लिए उसी मूल आँकड़ा-संग्रह से 100 शिक्षकों का संतुलित उप-न्यादर्श लेकर स्वतंत्र विश्लेषण किया गया।

5.7 सांख्यिकीय प्रविधियाँ

आँकड़ों की सामान्य स्थिति स्पष्ट करने के लिए माध्य एवं मानक विचलन की गणना की गई। प्रथम शून्य परिकल्पना के परीक्षण के लिए पियर्सन सहसंबंध गुणांक तथा द्वितीय शून्य परिकल्पना के परीक्षण के लिए बहु रैखिक प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया। निर्णय के लिए 0.05 सार्थकता स्तर निर्धारित किया गया।

6. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

6.1 वर्णनात्मक सांख्यिकी

तालिका 2

व्यक्तित्व आयामों एवं शिक्षण प्रभावशीलता का माध्य और मानक विचलन

चर	माध्य	मानक विचलन
सक्रियता-निष्क्रियता	10.69	2.49
उत्साहशीलता-अनुत्साहशीलता	11.04	2.35
आत्मवृद्धता-अधीनता	10.94	2.34
संदेहशीलता-विश्वासशीलता	10.81	2.25
अवसादात्मकता-अनवसादात्मकता	10.55	2.58
संवेगात्मक अस्थिरता-संवेगात्मक स्थिरता	10.95	2.24
समग्र शिक्षण प्रभावशीलता	238.55	26.35

तालिका 2 से स्पष्ट है कि छह व्यक्तित्व आयामों के माध्य प्राप्तांक लगभग 10.55 से 11.04 के बीच रहे। समग्र शिक्षण प्रभावशीलता का माध्य 238.55 तथा मानक विचलन 26.35 प्राप्त हुआ। ये वर्णनात्मक मान आगे के सहसंबंध तथा प्रतिगमन विश्लेषण के आधार के रूप में प्रयुक्त किए गए।

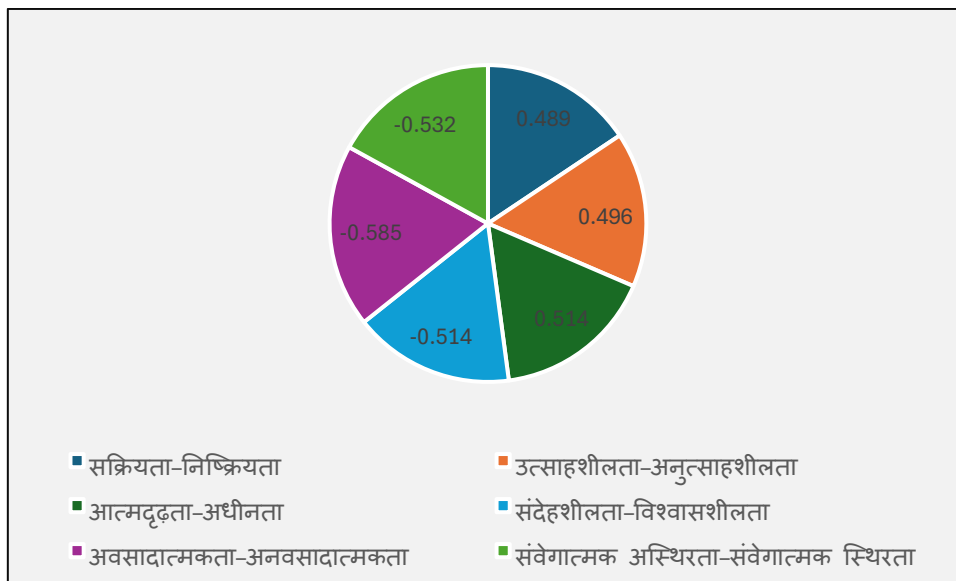
6.2 व्यक्तित्व आयामों एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध

तालिका 3 : व्यक्तित्व आयामों एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सहसंबंध

व्यक्तित्व आयाम	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता मान	संबंध की दिशा
सक्रियता-निष्क्रियता	0.489	<0.001	सार्थक सकारात्मक

व्यक्तित्व आयाम	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता मान	संबंध की दिशा
उत्साहशीलता– अनुत्साहशीलता	0.496	<0.001	सार्थक सकारात्मक
आत्मदृढ़ता–अधीनता	0.514	<0.001	सार्थक सकारात्मक
संदेहशीलता–विश्वासशीलता	-0.514	<0.001	सार्थक ऋणात्मक
अवसादात्मकता– अनवसादात्मकता	-0.585	<0.001	सार्थक ऋणात्मक
संवेगात्मक अस्थिरता– संवेगात्मक स्थिरता	-0.532	<0.001	सार्थक ऋणात्मक

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि सक्रियता–निष्क्रियता एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य 0.489, उत्साहशीलता–अनुत्साहशीलता के साथ 0.496 तथा आत्मदृढ़ता–अधीनता के साथ 0.514 का सार्थक सकारात्मक संबंध प्राप्त हुआ। इसका अर्थ है कि इन आयामों पर अधिक प्राप्तांकों के साथ शिक्षण प्रभावशीलता के प्राप्तांक भी सामान्यतः अधिक रहने की प्रवृत्ति रखते हैं। दूसरी ओर संदेहशीलता–विश्वासशीलता के साथ -0.514, अवसादात्मकता–अनवसादात्मकता के साथ -0.585 तथा संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता के साथ -0.532 का सार्थक ऋणात्मक संबंध पाया गया। इन अंतिम तीन आयामों की फलांकन दिशा के अनुसार उच्च प्राप्तांक क्रमशः अधिक संदेहशीलता, अधिक अवसादात्मक प्रवृत्ति और अधिक संवेगात्मक अस्थिरता को व्यक्त करते हैं। अतः इन प्रवृत्तियों के उच्च प्राप्तांकों के साथ शिक्षण प्रभावशीलता के प्राप्तांक कम रहने की प्रवृत्ति दिखाई दी। सभी संबंध 0.05 स्तर पर सार्थक होने के कारण प्रथम शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।



आरेख 1 : व्यक्तित्व आयामों एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सहसंबंध

6.3 व्यक्तित्व आयामों का शिक्षण प्रभावशीलता के पूर्वानुमान में संयुक्त योगदान

तालिका 4 : बहु रैखिक प्रतिगमन मॉडल का सारांश

सांख्यिकीय सूचक	प्राप्त मान
बहु सहसंबंध गुणांक	0.667
निर्धारण गुणांक	0.445
समायोजित निर्धारण गुणांक	0.409
‘एफ’ मान	12.433
सार्थकता मान	<0.001
न्यादर्श	100

तालिका 4 से ज्ञात होता है कि व्यक्तित्व के छह आयामों को संयुक्त रूप से पूर्वानुमानक चरों के रूप में लेने पर बहु सहसंबंध गुणांक 0.667 प्राप्त हुआ। निर्धारण गुणांक 0.445 है, जिससे स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व के छह आयाम संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता में पाई गई लगभग 44.5 प्रतिशत भिन्नता की व्याख्या करते हैं। समायोजित निर्धारण गुणांक 0.409 प्राप्त हुआ। प्रतिगमन मॉडल का ‘एफ’ मान 12.433 तथा सार्थकता मान 0.001 से कम है। अतः समग्र प्रतिगमन मॉडल सांख्यिकीय रूप से सार्थक है और द्वितीय शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।

तालिका 5 : व्यक्तित्व आयामों के प्रतिगमन गुणांक

पूर्वानुमानक आयाम	प्रतिगमन गुणांक	मानकीकृत गुणांक	‘टी’ मान	सार्थकता मान	निर्णय
सक्रियता– निष्क्रियता	0.328	0.031	0.271	0.787	असार्थक
उत्साहशीलता– अनुत्साहशीलता	1.593	0.142	1.365	0.175	असार्थक
आत्मदृढ़ता– अधीनता	0.988	0.088	0.737	0.463	असार्थक
संदेहशीलता– विश्वासशीलता	-1.273	-0.108	-0.912	0.364	असार्थक

पूर्वानुमानक आयाम	प्रतिगमन गुणांक	मानकीकृत गुणांक	‘टी’ मान	सार्थकता मान	निर्णय
अवसादात्मकता– अनवसादात्मकता	-2.429	-0.237	-1.993	0.049	सार्थक
संवेगात्मक अस्थिरता– संवेगात्मक स्थिरता	-2.652	-0.225	-2.168	0.033	सार्थक

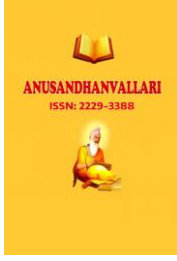
तालिका 5 से स्पष्ट है कि जब सभी छह व्यक्तित्व आयामों को एक साथ प्रतिगमन मॉडल में सम्मिलित किया गया, तब अवसादात्मकता–अनवसादात्मकता का स्वतंत्र योगदान ऋणात्मक और सार्थक पाया गया तथा संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता का स्वतंत्र योगदान भी ऋणात्मक और सार्थक रहा। सक्रियता–निष्क्रियता, उत्साहशीलता–अनुत्साहशीलता, आत्मदृढ़ता–अधीनता तथा संदेहशीलता–विश्वासशीलता के द्विचरीय सहसंबंध सार्थक थे, किन्तु अन्य व्यक्तित्व आयामों को नियंत्रित करने पर इनके स्वतंत्र प्रतिगमन गुणांक 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं रहे। यह परिणाम इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सहसंबंध और प्रतिगमन अलग सांख्यिकीय प्रश्नों का उत्तर देते हैं।

7. प्रमुख परिणाम

1. सक्रियता–निष्क्रियता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक सकारात्मक संबंध पाया गया।
2. उत्साहशीलता–अनुत्साहशीलता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक सकारात्मक संबंध पाया गया।
3. आत्मदृढ़ता–अधीनता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक सकारात्मक संबंध पाया गया।
4. संदेहशीलता–विश्वासशीलता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक ऋणात्मक संबंध पाया गया।
5. अवसादात्मकता–अनवसादात्मकता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सबसे अधिक परिमाण वाला ऋणात्मक संबंध प्राप्त हुआ।
6. संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता आयाम का शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक ऋणात्मक संबंध पाया गया।
7. व्यक्तित्व के छह आयामों ने संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता में पाई गई लगभग 44.5 प्रतिशत भिन्नता की व्याख्या की।
8. बहु प्रतिगमन में अवसादात्मकता–अनवसादात्मकता तथा संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता के स्वतंत्र योगदान सार्थक पाए गए।
9. दोनों शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की गईं।

8. चर्चा

प्राप्त परिणामों से स्पष्ट होता है कि शिक्षक व्यक्तित्व और शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध एक ही दिशा में नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व आयाम की प्रकृति के अनुसार बदलता है। सक्रियता, उत्साहशीलता और आत्मदृढ़ता की दिशा में अधिक प्राप्तांक शिक्षण



प्रभावशीलता के उच्च प्राप्तांकों से जुड़े पाए गए। यह संभव है कि सक्रिय और उत्साही शिक्षक कक्षा की स्थितियों में अधिक पहल, संवाद और सहभागिता प्रदर्शित करते हों, जबकि आत्मदृढ़ता निर्णय लेने और व्यावसायिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में सहायक हो। इन संबंधों को कारणात्मक निष्कर्ष न मानते हुए सांख्यिकीय सहसंबंध के रूप में समझना आवश्यक है।

दूसरी ओर संदेहशीलता, अवसादात्मक प्रवृत्ति और संवेगात्मक अस्थिरता की दिशा में उच्च प्राप्तांक कम शिक्षण प्रभावशीलता से जुड़े पाए गए। विशेष रूप से अवसादात्मकता और संवेगात्मक अस्थिरता बहु प्रतिगमन में भी सार्थक स्वतंत्र पूर्वानुमानक बने रहे। इसका अर्थ यह नहीं है कि किसी शिक्षक को इन प्राप्तांकों के आधार पर स्थायी रूप से प्रभावहीन कहा जा सकता है; बल्कि यह संकेत मिलता है कि भावनात्मक और मनोदशात्मक संतुलन शिक्षण के व्यावसायिक कार्य से महत्वपूर्ण रूप से संबंधित हो सकता है।

ये परिणाम पूर्ववर्ती समीक्षाओं और मेटा-विश्लेषणों के व्यापक निष्कर्षों से मेल खाते हैं, जिनमें शिक्षक व्यक्तित्व को शिक्षण प्रदर्शन और शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित पाया गया है। क्लासेन एवं त्जे (2014) ने शिक्षक की मनोवैज्ञानिक विशेषताओं और शिक्षण प्रभावशीलता के बीच संबंध का समर्थन किया, जबकि किम, यॉर्ग एवं क्लासेन (2019) ने विभिन्न व्यक्तित्व गुणों के शिक्षक प्रभावशीलता से व्यवस्थित संबंध की पुष्टि की। केल (2019) द्वारा बताए गए अध्ययन-अंतर भी यहाँ प्रासंगिक हैं, क्योंकि व्यक्तित्व और प्रदर्शन के संबंध की प्रबलता संदर्भ और मापन-पद्धति के अनुसार बदल सकती है।

प्रतिगमन मॉडल द्वारा 44.5 प्रतिशत भिन्नता की व्याख्या यह दर्शाती है कि व्यक्तित्व महत्वपूर्ण है, परंतु शिक्षण प्रभावशीलता का पूर्ण स्पष्टीकरण केवल व्यक्तित्व से नहीं किया जा सकता। शेष भिन्नता शिक्षण-अनुभव, विषय-ज्ञान, कार्य-संतुष्टि, विद्यालयीय नेतृत्व, संसाधन, संगठनात्मक वातावरण, व्यावसायिक तनाव और अन्य व्यक्तिगत एवं संस्थागत कारकों से संबंधित हो सकती है।

9. शैक्षिक निहितार्थ

1. शिक्षक-प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में विषय-ज्ञान के साथ आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक संवाद और व्यावसायिक आत्मविश्वास से संबंधित गतिविधियों को स्थान दिया जाना चाहिए।
2. विद्यालय प्रशासन को शिक्षक के व्यवहार को केवल कार्य-निष्पादन के आधार पर न देखकर उसके व्यावसायिक और मनोवैज्ञानिक संदर्भ को भी समझना चाहिए।
3. परामर्श, सहकर्मी समर्थन, भावनात्मक नियमन तथा व्यावसायिक कल्याण से संबंधित कार्यक्रम शिक्षक के संतुलित व्यावसायिक विकास में सहायक हो सकते हैं।
4. व्यक्तित्व मापन का उपयोग शिक्षक को लेबल करने, दंडित करने या अकेले चयन का आधार बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए; इसे केवल विकासात्मक और शोधपरक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।
5. शिक्षण प्रभावशीलता के विकास के लिए व्यक्ति और संस्थान दोनों स्तरों पर कार्य करना आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान मॉडल के बाहर भी अनेक कारक शिक्षण प्रभावशीलता से संबंधित हो सकते हैं।

10. अध्ययन की सीमाएँ

1. यह शोध-पत्र मूल 400 शिक्षक-रिकॉर्डों में से चयनित 100 शिक्षकों के संतुलित उप-न्यादर्श पर आधारित है; इसलिए परिणामों की व्याख्या इसी सीमित न्यादर्श के संदर्भ में की जानी चाहिए।

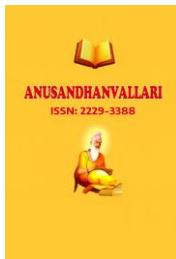
2. अध्ययन वर्णनात्मक सहसंबंधात्मक है, अतः प्राप्त संबंधों के आधार पर प्रत्यक्ष कारण-परिणाम स्थापित नहीं किया जा सकता।
3. व्यक्तित्व और शिक्षण प्रभावशीलता के मापन में मानकीकृत स्व-प्रतिवेदन उपकरणों का उपयोग किया गया; अतः प्रतिक्रियाओं पर व्यक्तिगत धारणा और प्रतिक्रिया-शैली का प्रभाव संभव है।
4. प्रतिगमन मॉडल में केवल व्यक्तित्व के छह आयाम सम्मिलित किए गए; शिक्षण प्रभावशीलता से संबंधित अन्य व्यक्तिगत एवं विद्यालयीय कारकों का परीक्षण इस शोध-पत्र में नहीं किया गया।

11. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों का व्यक्तित्व उनकी शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक रूप से संबंधित है। सक्रियता, उत्साहशीलता और आत्मदृढ़ता की दिशा में अधिक प्राप्तांक उच्च शिक्षण प्रभावशीलता से जुड़े पाए गए, जबकि संदेहशीलता, अवसादात्मकता और संवेगात्मक अस्थिरता की दिशा में अधिक प्राप्तांक कम शिक्षण प्रभावशीलता से संबंधित रहे। व्यक्तित्व के छह आयामों ने संयुक्त रूप से शिक्षण प्रभावशीलता में पाई गई लगभग 44.5 प्रतिशत भिन्नता की व्याख्या की। बहु प्रतिगमन में अवसादात्मकता और संवेगात्मक अस्थिरता स्वतंत्र रूप से सार्थक ऋणात्मक पूर्वानुमानक पाए गए। इस आधार पर शिक्षक की शिक्षण प्रभावशीलता को समझने में व्यक्तित्व एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक संदर्भ प्रदान करता है, परंतु इसे अकेले निर्णायक कारक नहीं माना जा सकता। शोध की सहसंबंधात्मक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए 'प्रभाव' का अर्थ यहाँ सांख्यिकीय संबंध और पूर्वानुमानात्मक योगदान तक सीमित है।

12. संदर्भ

- [1] Bardach, L., Klassen, R. M., & Perry, N. E. (2022). Teachers' psychological characteristics: Do they matter for teacher effectiveness, teachers' well-being, retention, and interpersonal relations? An integrative review. *Educational Psychology Review*, 34, 259–300. <https://doi.org/10.1007/s10648-021-09614-9>
- [2] Burić, I., Butkovic, A., & Kim, L. (2023). Teacher personality domains and facets: Their unique associations with student-ratings of teaching quality and teacher enthusiasm. *Learning and Instruction*, 88, 101827. <https://doi.org/10.1016/j.learninstruc.2023.101827>
- [3] Kim, L. E., Dar-Nimrod, I., & MacCann, C. (2018). Teacher personality and teacher effectiveness in secondary school: Personality predicts teacher support and student self-efficacy but not academic achievement. *Journal of Educational Psychology*, 110(3), 309–323. <https://doi.org/10.1037/edu0000217>
- [4] Kim, L. E., & MacCann, C. (2016). What is students' ideal university instructor personality? An investigation of absolute and relative personality preferences. *Personality and Individual Differences*, 102, 190–203. <https://doi.org/10.1016/j.paid.2016.06.068>



- [5] Kim, L. E., & MacCann, C. (2018). Instructor personality matters for student evaluations: Evidence from two subject areas at university. *British Journal of Educational Psychology*, 88(4), 584–605. <https://doi.org/10.1111/bjep.12205>
- [6] Polk, J. A. (2006). Traits of effective teachers. *Arts Education Policy Review*, 107(4), 23–29. <https://doi.org/10.3200/AEPR.107.4.23-29>
- [7] Ripski, M. B., LoCasale-Crouch, J., & Decker, L. (2011). Pre-service teachers: Dispositional traits, emotional states, and quality of teacher-student interactions. *Teacher Education Quarterly*, 38(2), 77–96.
- [8] Rockoff, J. E., Jacob, B. A., Kane, T. J., & Staiger, D. O. (2011). Can you recognize an effective teacher when you recruit one? *Education Finance and Policy*, 6(1), 43–74. https://doi.org/10.1162/EDFP_a_00022
- [9] Rushton, S., Morgan, J., & Richard, M. (2007). Teacher's Myers-Briggs personality profiles: Identifying effective teacher personality traits. *Teaching and Teacher Education*, 23(4), 432–441. <https://doi.org/10.1016/j.tate.2006.12.011>
- [10] Tasleem, N. (2017). Service catalog optimization in HR. *International Journal of Applied Research*, 3, 1090–1097. <https://www.doi.org/10.22271/allresearch.2017.v3.i11.12550>
- [11] Yadav, A. K. (2026). The Contribution of Educational Philosophy to the Development of the Education System. *International Journal of Research -Granthaalayah*, 14(7), 76–82. <https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v14.i7.2026.7071>
- [12] Yoganandan, G., & Vetriselvan, V. (2017). Personality traits of (in) effective teachers as identified by Indian MBA students: A qualitative study. *Asian Journal of Management*, 8(3), 403–406. <https://doi.org/10.5958/2321-5763.2017.00064.6>
- [13] Verma, C., & Singh, B. (2026). Challenges and Solutions in Inclusive Education: A Study of the Teacher's Role in Mainstream Classrooms. *International Journal of Research -Granthaalayah*, 14(7), 98–106. <https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v14.i7.2026.7078>